‘NSS’ का उद्देश्य छात्रों को सेवा व भलाई के प्रति जागरूक करना है

गांव पातवान में जीडीसी मैमोरियल कॉलेज की एनएसएस ईकाई का सात दिवसीय शिविर का किया गया शुभारंभ

जन सरोकार ब्यूरो

बहल। जीडीसी मेमोरियल कॉलेज के एनएसएस यूनिट द्वारा गांव पातवान के सामुदायिक केंद्र में सात दिवसीय एनएसएस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. एस के सिन्हा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के दिशा निर्देशानुसार सात दिवसीय शिविर में छात्रों और स्वयं सेवकों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, सामुदायिक सेवा, जागरूकता अभियान और खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। डॉ. एसके सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा, "एनएसएस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सामाजिक सेवा और समुदाय की भलाई के प्रति जागरूक करना है। हमें उम्मीद है कि यह शिविर छात्रों को समुदाय की सेवा करने और सामाजिक जिम्मेदारी को समझने का अवसर प्रदान करेगा।'

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने कहा, "हमें इस सात दिवसीय शिविर के लिए गांव पातवान के सरपंच और स्थानीय निवासियों का सहयोग मिला है। हमें उम्मीद है कि यह शिविर गांव के निवासियों के लिए भी लाभकारी होगा।' इसके अलावा उन्होंने सात दिन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा होने वाली गतिविधियों और उसके आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा उपस्थित जनों के समक्ष प्रस्तुत की और तन-मन से इस कार्यक्रम को सफल बनाने का वादा किया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अनेक प्रतिस्पर्धा संगीत, सामूहिक नृत्य, गायन, कविता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर गांव पातवान में महाविद्यालय के डॉ. सुरेंद्र, उपेंद्र प्रसाद, गांव के स्थानीय नागरिक और एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पातवान गांव में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

सादुलपुर (मदन मोहन आचार्य)। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में निकटवर्ती बहल के जीडीसी मेमोरियल कॉलेज के एनएसएस यूनिट द्वारा अधिकृत गांव पातवान के सामुदायिक केंद्र में सात दिवसीय एनएसएस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. एस के सिन्हा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया राष्ट्रीय सेवा योजना के दिशा निर्देशानुसार सात दिवसीय शिविर में छात्रों और स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, सामुदायिक सेवा जागरूकता अभियान और खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। डॉ. एस.के. सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा, एनएसएस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सामाजिक सेवा और समुदाय की भलाई के प्रति जागरूक करना है। हमें उम्मीद है कि यह शिविर छात्रों को समुदाय की सेवा करने और सामाजिक जिम्मेदारी को समझने का अवसर प्रदान करेगा। जीडीसी मेमोरियल कॉलेज के एनएसएस यूनिट के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अशोक कुमार ने कहा, हमें इस सात दिवसीय शिविर के लिए गांव पातवान के सरपंच और स्थानीय निवासियों का सहयोग मिला है। हमें उम्मीद है कि यह शिविर गांव के निवासियों के लिए भी लाभकारी होगा इसके अलावा उन्होंने सा दिन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा होने वाली गतिविधियों और उसके आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा उपस्थित जनों के समक्ष प्रस्तुत की और तन-मन से इस कार्यक्रम को सफल बनाने का वादा किया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अनेक प्रतिस्पर्धा संगीत सामूहिक नृत्य गायन कविता का भी आयोजन किया गया।

राजस्थान
जागरूक
जयपुर, मंगलवार, 1

सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। राजगढ़ उपखण्ड निकटवर्ती तहसील के बहल में 17 फरवरी 2025 (सोमवार) में जीडीसी महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर के का समापन समारोह बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के महेंद्र कुमार चौधरी सभागृह में आयोजित किया गया कार्यक्रम के आरंभ में एनएसएस प्रभारी डॉ. अशोक कुमार पिलानिया ने हृदय की गहराइयों के साथ स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती के सम्मुख मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया एनएसएस प्रभारी डॉ. अशोक पिलानिया ने स्वागत कथन के साथ-साथ पीपीटी के माध्यम से पातवान गांव में एनएसएस की सात दिवसीय गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम यथा नृत्य व गायन का आयोजन किया गया। बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार शुक्ला ने सभी प्रतिभागी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों को बुद्धिमान अनुशासित व स्वयंसेवकों के दायित्व से परिचित करवाया। इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर समापन समारोह में स्वयंसेवकों की बढ़ती भागीदारी वह उनके द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की थीम 'युवाओं के लिए मेरा भारत' और डिजिटल साक्षरता पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह के मुख्य अतिथि बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीसी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. सिन्हा ने मुख्य अतिथियों के साथ स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके पुरस्कृत किया। डॉ. सिन्हा ने अपने व्यक्तव्य में एनएसएस प्रभारी डॉ. अशोक कुमार पिलानिया व समस्त वॉलिंटियर को बधाइयां दी। उन्होंने एनएसएस के उद्देश्यों से छात्रों को परिचित करवाते हुए युवा वर्ग को सक्षम, जागरूकता ईमानदारी के साथ कुशल नेतृत्व करने की बात कही। स्वयंसेवकों को टीमवर्क के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने पातवान गांव की समस्याएं क्या रही उनके समाधान क्या कुछ होने चाहिए? जैसी जानकारियां छात्रों से साझा की। युवा वर्ग ही अच्छी सोच के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने विकसित भारत-2047 को पूर्ण कर सकती है युवा शक्ति ही समाज को नई दिशा व दशा प्रदान कर सकती है। उचित व अनुचित के बारे में सही निर्णय लेते हुए मेहनती कर्तव्यनिष्ठा व अच्छी बातों को ग्रहण कर सकती है समाज में बुराइयों को दूर कर सकते हैं। उन्होंने अन्य अच्छी शिक्षाओं के माध्यम से छात्रों व स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। राजकीय स्वयंसेवक ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया इस अवसर पर महाविद्यालय के शैक्षिक व गैर शैक्षिक कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का समापन समारोह

बहल : चौधरी न्यूज़ एजेंसी

बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के 'महेंद्र कुमार चौधरी सभागृह' में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का समापन समारोह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस प्रभारी डॉ. अशोक कुमार पिलानिया द्वारा हार्दिक स्वागत और अभिनंदन से की गई। समारोह का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ. पिलानिया ने पीपीटी के माध्यम से पातवान गांव में एनएसएस की सात दिवसीय गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य और गायन का आयोजन किया गया। बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार शुक्ला ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें बुद्धिमान, अनुशासित और स्वयंसेवकों के दायित्वों से परिचित कराया। इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की थीम "युवाओं के लिए मेरा भारत" और डिजिटल साक्षरता पर अपने विचार प्रकट करते हुए स्वयंसेवकों की बढ़ती भागीदारी और कार्यक्रमों की सराहना की।

प्राचार्य डॉ. एस.के. सिन्हा ने स्वयंसेवको को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए बधाई दी

मुख्य अतिथि, बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीसी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. सिन्हा ने स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने एनएसएस के उद्देश्यों से छात्रों को परिचित करवाते हुए युवा वर्ग को सक्षम, जागरूक और कुशल नेतृत्व करने की प्रेरणा दी। डॉ. सिन्हा ने टीमवर्क, समाज सेवा, और बुराइयों के खिलाफ सही निर्णय लेने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि युवा शक्ति ही विकसित भारत-2047 के सपने को साकार कर सकती है। समारोह के अंत में महाविद्यालय के स्वयंसेवक लक्ष्मीत कुमार सेवक ने 'वोट ऑफ थैंक्स' के माध्यम से सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

नहीं, डिजिटल इंफॉर्मेशन बोर्ड

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का समापन समारोह

■ जलतेदीप, सादुलपुर

राजगढ़ उपखण्ड निकटवर्ती तहसील के बहल मे 17 फरवरी 2025 (सोमवार) मैं जीडीसी महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर के का समापन समारोह बीआरसीएम शिक्षण ...स्थान के महेंद्र कुमार चौधरी ...गृह में आयोजित किया गया ...क्रम के आरंभ में एनएसएस ...ी डॉ. अशोक कुमार पिलानिया ...य की गहराइयों के साथ स्वागत ...भिनंदन किया कार्यक्रम का ...रंभ विद्या की देवी मां सरस्वती ...म्मुख मुख्य अतिथियों द्वारा दीप ...लित करके किया गया ...सएस प्रभारी डॉ. अशोक ...निया ने स्वागत कथन के साथ-...पीपीटी के माध्यम से पातवान ...में एनएसएस की सात दिवसीय ...धियों का विवरण प्रस्तुत किया ...द्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा ...पर सांस्कृतिक कार्यक्रम यथा ...व गायन का आयोजन किया ... बीआरसीएम शिक्षण संस्थान ...धि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार शुक्ला ने सभी प्रतिभागी स्वयंसेवकों को शुभकाम दी। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों को बुद्धिमान अनुशासित व स्वयंसेवकों के दायित्व से परिचित करवाया इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी महा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर समापन समारोह में स्वयंसेवकों की बढ़ती भागीदारी वह उनके द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की उन्होंने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की थीम युवाओं के लिए मेरा भारत और डिजिटल साक्षरता पर विस्तार से प्रकाश डाला समारोह के मुख्य अतिथि बीआर सीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीसी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. सिन्हा ने मुख्य अतिथियों के साथ स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके पुरस्कृत किया डॉ. सिन्हा ने अपने व्यक्तत्व में एनएसएस प्रभारी डॉ. अशोक कुमार पिलानिया व समस्त वॉलिंटियर को बधाइयां दी उन्होंने एनएसएस के उद्देश्यों से छात्रों को परिचित करवाते हुए युवा वर्ग को सक्षम जागरूकता ईमानदारी के साथ कुशल नेतृत्व करने की बात कही।

स्वयं सेवकों ने प्लास्टिक मुक्त अभियान से दिया स्वच्छता का संदेश

गांव पातवान में जीडीसी मैमोरियल कॉलेज की एनएसएस ईकाई के शिविर का दूसरा दिन

जन सरोकार ब्यूरो

बहल। जीडीसी महाविद्यालय के राष्ट्रीय योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती और गुरु संत रविदास जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों का ऐतिहासिक योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने जनजागरण में अहम भूमिका निभाई और समाज को नई दिशा एवं ऊर्जा देने का कार्य किया। इकाई द्वारा "प्लास्टिक मुक्त गांव अभियान" चलाया और ग्रामीणों को कम से कम प्लास्टिक प्रयोग करने और अपशिष्ट प्लास्टिक का प्रबंधन करने की जानकारी देकर आकर्षित किया और सभी गलियों में बिखरे कचरे को एक जगह इकट्ठा करके निश्चित प्रबंध किया। प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि प्लास्टिक का उपयोग हमारे पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक है। उन्होंने कहा कि हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करने और इसके बजाय पुनर्नवीन और पुनर्चक्रणीय सामग्री का उपयोग करने की आवश्यकता है। एनएसएस विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लिया। व्याख्यान श्रृंखला के तहत स्वयंसेवकों को भारतीय कानून व्यवस्था एवं न्यायिक प्रक्रिया की मूलभूत जानकारी प्रदान की गई। मुख्य वक्ता डॉ. पवन कुमार, सहायक प्रोफेसर, बीआरसीएम लॉ कॉलेज रहे। जिन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की संरचना के अनुसार भारत के संवैधानिक विकास एवं न्यायिक संरचना, लीगल एड इकाई का कार्य, जिला न्यायिक सेवा प्राधिकरण की कार्य प्रणाली आदि पहलुओं का कुशलता पूर्वक ज्ञान देकर विद्यार्थियों के साथ अनूठी जानकारी सांझा की और विद्यार्थियों द्वारा किस प्रकार समाज में कानूनी जानकारी रखकर अपने आपको सुरक्षित रखा जा सकता है और आम जनता को कैसे जागरूक किया जा सकता है।

आत्म निर्भर भारत को लेकर निकाली रैली

जन सरोकार ब्यूरो

बहल। जीडीसी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पातवान गांव में सात दिवसीय कैंप के चौथे दिन एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत एवं श्रेष्ठ भारत, स्वदेशी जीवन शैली पर आधारित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनके माध्यम से ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने के लिए मुख्य विषय से संबंधित रैली का आयोजन किया गया।

कैंप में आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता रवि परमार, सहायक प्रोफेसर रहे, जिन्होंने अपने व्याख्यान में स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य बताते हुए बताया कि भारत प्राचीन काल से ही प्राकृतिक रूप से समृद्ध रहा है इसलिए हमें विदेशी समान और एवं विदेशी चीजों पर अपनी निर्भरता कम करके स्वावलंबी भारत का निर्माण करना होगा। पूर्व कार्यक्रम अधिकारी मानसिंह भी मौजूद रहे। विद्यार्थियों के द्वारा अनेक सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई। जिसमें नृत्य, भाषण, कविताएं, संगीत, खेल गतिविधियों का आयोजन भी हुआ इसके साथ ही संपूर्ण गांव में आदि के अनेक विधाओं का प्रदर्शन किया गया। आत्मनिर्भर भारत को लेकर रैली का भी आयोजन किया गया।

स्वयंसेवकों द्वारा आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी जीवन आधारित कार्यक्रमों का आयोजन

कानून व्यवस्था

सादुलपुर (नेतराम मेहरा)। तहसील के निकटवर्ती बहल में स्थानीय जीडीसी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पातवान गांव में सात दिवसीय कैंप के चौथे दिन एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ अशोक कुमार के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत एवं श्रेष्ठ भारत, स्वदेशी जीवन शैली पर आधारित अनेक

कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनके माध्यम से ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने के लिए मुख्य विषय से संबंधित रैली का आयोजन किया गया और उसके साथ ही अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी विद्यार्थियों ने उपरोक्त विषय से संबंधित अनेकों जानकारियां अर्जित की। इसी विषय से संबंधित विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु विस्तृत व्याख्यान का भी आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता श्री रवि परमार, सहायक प्रोफेसर रहे, जिन्होंने अपने व्याख्यान में स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य बताते हुए बताया कि भारत प्राचीन काल से ही प्राकृतिक रूप से समृद्ध रहा है इसलिए हमें विदेशी समान और एवं विदेशी चीजों पर अपनी निर्भरता कम करके स्वावलंबी भारत का निर्माण करना होगा। पूर्व कार्यक्रम अधिकारी श्री मानसिंह भी भी मौजूद रहे जिन्होंने अनेक उपयोग के माध्यम से विद्यार्थियों को सादा जीवन उच्च विचार से संबंधित अन्य को पहलुओं पर चर्चा की इसके बाद विद्यार्थियों के द्वारा अनेक सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई जिसमें नृत्य भाषण कविताएं संगीत, खेल गतिविधियों का आयोजन भी हुआ इसके साथ ही संपूर्ण गांव में आदि के अनेक विधाओं का प्रदर्शन किया गया आत्मनिर्भर भारत को लेकर रैली का भी आयोजन किया गया।

स्वयंसेवकों ने आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी जीवन आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया

सादुलपुर (मृदुल पत्रिका)। रजगढ़ तहसील के निकटवर्ती बहल में स्थानीय जीडीसी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पातवान गांव में सात दिवसीय कैंप के चौथे दिन एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ अशोक कुमार के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत एवं श्रेष्ठ भारत, स्वदेशी जीवन शैली पर आधारित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनके माध्यम से ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने के लिए मुख्य विषय से संबंधित रैली का अयोजन किया गया और उसके

साथ ही अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी विद्यार्थियों ने उपरोक्त विषय से संबंधित अनेकों जानकारियां अर्जित की। इसी विषय से संबंधित विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु विस्तृत व्याख्यान का भी आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता रवि परमार, सहायक प्रोफेसर रहे, जिन्होंने अपने व्याख्यान में स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य बताते हुए बताया कि भारत प्राचीन काल से ही प्राकृतिक रूप से समृद्ध रहा है इसलिए हमें विदेशी समान और एवं विदेशी चीजों पर अपनी निर्भरता कम करके स्वावलंबी भारत का निर्माण करना होगा। पूर्व कार्यक्रम अधिकारी मानसिंह भी भी मौजूद रहे जिन्होंने अनेक उपयोग के माध्यम से विद्यार्थियों को सादा जीवन उच्च विचार से संबंधित अन्य को पहलुओं पर चर्चा की इसके बाद विद्यार्थियों के द्वारा अनेक सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई जिसमें नृत्य भाषण कविताएं संगीत, खेल गतिविधियों का आयोजन भी हुआ इसके साथ ही संपूर्ण गांव में आदि के अनेक विधाओं का प्रदर्शन किया गया आत्मनिर्भर भारत को लेकर रैली का भी आयोजन किया गया।

विकसित भारत- 2047 अभियान एवं सामाजिक मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन

■ जलतेदीप, सादुलपुर

सादुलपुर तहसील के हरियाणा निकटवर्ती बहल जीडीसी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आयोजित सात दिवसीय कैंप के छठे दिन स्वयंसेवकों ने विकसित भारत- 2047 और सामाजिक समरसता एवं पंच परिवर्तन विषय पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा समाज के विभिन्न पहलुओं एवं समाज संबंधी कार्य एवं उनकी संरचनात्मक जिम्मेदारी समझी और विभिन्न प्रकार की समस्याओं की पुष्टिकरण किया।कार्यक्रम के दौरान डॉ. अशोक कुमार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में गांव के सभी मंदिरों में सफाई कार्य करवाया गया और शहीद प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण कर साफ- सफाई देशभक्ति के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव के सरपंच रवि जी मौजूद रहे जिन्होंनेस्वयंसेवकों के द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की और आगामी दिवस में गांव के अंदर इस तरह के कार्यक्रम की योजना बनाने का आह्वान किया इस दौरान विस्तार व्याख्यान श्रृंखला के तहत विकसित भारत- 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए संबंधित विषय पर श्री जोगिंदर जी एनएसएस, कार्यक्रम अधिकारी बीआरसीएम सिंह पब्लिक स्कूल ज्ञानकुंज ने अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि एनएसएस के स्वयंसेवकों की भारत को विकसित बनाने में अहम भूमिका पर बल देते हुए ।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर का समापन समारोह

■ जलतेदीप, सादुलपुर

राजगढ़ उपखण्ड निकटवर्ती तहसील के बहल मे 17 फरवरी 2025 (सोमवार) मैं जीडीसी महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर के का समापन समारोह बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के महेंद्र कुमार चौधरी सभागृह में आयोजित किया गया कार्यक्रम के आरंभ में एनएसएस प्रभारी डॉ. अशोक कुमार पिलानिया ने हृदय की गहराइयों के साथ स्वागत व अभिनंदन किया कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती के सम्मुख मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया एनएसएस प्रभारी डॉ. अशोक पिलानिया ने स्वागत कथन के साथ-साथ पीपीटी के माध्यम से पातवान गांव में एनएसएस की सात दिवसीय गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया महाविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम यथा नृत्य व गायन का आयोजन किया गया। बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार शुक्ला ने सभी प्रतिभागी स्वयंसेवकों को शुभकाम दी। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों को बुद्धिमान अनुशासित व स्वयंसेवकों के दायित्व से परिचित करवाया इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी महा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनुज कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय शिविर समापन समारोह में स्वयंसेवकों की बढ़ती भागीदारी वह उनके द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना की उन्होंने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की थीम युवाओं के लिए मेरा भारत और डिजिटल साक्षरता पर विस्तार से प्रकाश डाला समारोह के मुख्य अतिथि बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के निदेशक एवं जीडीसी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. सिन्हा ने मुख्य अतिथियों के साथ स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करके पुरस्कृत किया डॉ. सिन्हा ने अपने व्यक्तव्य में एनएसएस प्रभारी डॉ. अशोक कुमार पिलानिया व समस्त वॉलिंटियर को बधाइयां दी उन्होंने एनएसएस के उद्देश्यों से छात्रों को परिचित करवाते हुए युवा वर्ग को सक्षम जागरूकता ईमानदारी के साथ कुशल नेतृत्व करने की बात कही।

विकसित भारत- 2047 अभियान एवं सामाजिक मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन

सादुलपुर (मदन मोहन आचार्य)। सादुलपुर तहसील के हरियाणा निकटवर्ती बहल जीडीसी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आयोजित सात दिवसीय कैंप के छठे दिन स्वयंसेवकों ने विकसित भारत-2047 और सामाजिक समरसता एवं पंच परिवर्तन विषय पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा समाज के विभिन्न पहलुओं एवं समाज संबंधी कार्य एवं उनकी संरचनात्मक जिम्मेदारी समझी और विभिन्न प्रकार की समस्याओं की पुष्टिकरण किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अशोक कुमार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में गांव के सभी मंदिरों में सफाई कार्य करवाया गया और शहीद प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण कर साफ-सफाई देशभक्ति के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव के सरपंच रवि जी मौजूद रहे जिन्होंने स्वयंसेवकों के द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की और आगामी दिवस में गांव के अंदर इस तरह के कार्यक्रम की योजना बनाने का आह्वान किया इस दौरान विस्तार व्याख्यान श्रृंखला के तहत विकसित भारत- 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए संबंधित विषय पर जोगिंदर एनएसएस, कार्यक्रम अधिकारी बीआरसीएम सिंह पब्लिक स्कूल ज्ञानकुंज ने अपना उद्बोधन दिया।

उन्होंने बताया कि एनएसएस के स्वयंसेवकों की भारत को विकसित बनाने में अहम भूमिका पर बल देते हुए अनेक विचार विद्यार्थियों के समक्ष रखें और तकनीकी विस्तार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनएसएस विद्यार्थी, जिला स्तर, राज्यस्तर, राष्ट्रीय स्तर एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एनएसएस के कार्य प्रणाली एवं गतिविधियों को बढ़ा सकते हैं और राष्ट्रीय पुरस्कार किस प्रकार से अर्जित कर सकते है। उनकी तकनीकी ज्ञान को विस्तृत करने का सार्थक प्रयास किया दूसरी व्याख्यान श्रृंखला के तहत सामाजिक समरसता एवं चुनौतियां और पंच परिवर्तन कार्यक्रम के माध्यम से विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता की भूमिका श्री मंजीत, प्रवक्ता द्वारा निभाई गई। उन्होंने सामाजिक समरसता के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों से चर्चा की और पंच परिवर्तन की मुख्यतः पर्यावरण संरक्षण, नैतिक मूल्य, नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन एवं स्वदेशी आदि विषयों पर गहन चर्चा की उन्होंने स्वयंसेवकों को अपने निजी जीवन में अपने का आह्वान किया किस प्रकार समाज में स्वयंसेवक घर में इन कार्यों की संरचना करके राष्ट्र को एकत्रित करने में अपना योगदान दे सकता है।

विकसित भारत-2047 अभियान एवं सामाजिक मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन

शहीद प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण कर साफ-सफाई देशभक्ति के कार्यक्रम आयोजित

जागरूक टाइम्स संवाददाता

सादुलपुर। सादुलपुर तहसील के हरियाणा निकटवर्ती बहल जीडीसी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आयोजित सात दिवसीय कैंप के छठे दिन स्वयंसेवकों ने विकसित भारत-2047 और सामाजिक समरसता एवं पंच परिवर्तन विषय पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवकों द्वारा समाज के विभिन्न पहलुओं एवं समाज संबंधी कार्य एवं उनकी संरचनात्मक जिम्मेदारी समझी और विभिन्न प्रकार की समस्याओं की पुष्टिकरण किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. अशोक कुमार, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के नेतृत्व में गांव के सभी मंदिरों में सफाई कार्य करवाया गया और शहीद प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण कर साफ-सफाई देशभक्ति के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान गांव के सरपंच रवि मौजूद रहे जिन्होंने स्वयंसेवकों के द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की और आगामी दिवस में गांव के अंदर इस तरह के कार्यक्रम की योजना बनाने का आह्वान किया इस दौरान विस्तार व्याख्यान श्रृंखला के तहत विकसित भारत- 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए संबंधित विषय पर जोगिंदर एनएसएस, कार्यक्रम अधिकारी बीआरसीएम सिंह पब्लिक स्कूल ज्ञानकुंज ने अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि एनएसएस के स्वयंसेवकों की भारत को विकसित बनाने में अहम भूमिका पर बल देते हुए अनेक विचार विद्यार्थियों के समक्ष रखें और तकनीकी विस्तार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनएसएस विद्यार्थी, जिला स्तर, राज्यस्तर, राष्ट्रीय स्तर एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एनएसएस के कार्य प्रणाली एवं गतिविधियों को बढ़ा सकते हैं और राष्ट्रीय पुरस्कार किस प्रकार से अर्जित कर सकते हैं। उनकी तकनीकी ज्ञान को विस्तृत करने का सार्थक प्रयास किया दूसरी व्याख्यान श्रृंखला के तहत सामाजिक समरसता एवं चुनौतियां और पंच परिवर्तन कार्यक्रम के माध्यम से विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता की भूमिका मंजीत, प्रवक्ता द्वारा निभाई गई। उन्होंने सामाजिक समरसता के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों से चर्चा की और पंच परिवर्तन की मुख्यत: पर्यावरण संरक्षण, नैतिक मूल्य, नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन एवं स्वदेशी आदि विषयों पर गहन चर्चा की। उन्होंने स्वयंसेवकों को अपने निजी जीवन में अपने का आह्वान किया किस प्रकार समाज में स्वयंसेवक घर में इन कार्यों की संरचना करके राष्ट्र को एकत्रित करने में अपना योगदान दे सकता है इसके अलावा इस कार्यक्रम में पहुंचने पर ग्रामीण में राजपाल द्वारा जैविक कृषि को लेकर के विद्यार्थियों से परामर्श किया। इस दौरान कार्यक्रम में डॉ. मदन मोहन यादव भी मौजूद रहे और संध्याकालीन गतिविधियों में खेल कार्यक्रम एवं संस्कृति गतिविधियों का आयोजन किया गया और आगामी कार्य दिवस की संरचनात्मक बैठक हुई।

स्वयंसेवकों ने चलाया सफाई एवं जनजागरण अभियान

जन सरोकार ब्यूरो

बहल। जीडीसी महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का पातवान गांव में आयोजित तीसरे दिन स्वयंसेवकों द्वारा प्रायोगिक गतिविधियां पर्यावरण संरक्षण पर आधारित रही। इस कार्यक्रम के लिए विद्यार्थियों को सफाई अभियान एवं जनजागरण अभियान का आयोजन किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार की नेतृत्व में संपूर्ण गांव में सफाई अभियान चलाया गया। खरपतवार नाशक पौधों की कटाई, नालियों की सफाई एवं ठोस कचरा प्रबंधन हेतु अनेकों गतिविधियां की गई।

स्वयंसेवकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जानकारी हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सुशील कुमार, संयोजक, पर्यावरण गतिविधि रहे। उन्होंने बताया गया कि समाज में पर्यावरण प्रदूषण के साथ-साथ बढ़ता सांस्कृतिक प्रदूषण भी देश के लिए बहुत बड़ा खतरा है। समाज में विकास की प्रतिस्पर्धा की दौड़ में पर्यावरण की अनदेखी हुई है जो कि पर्यावरण के लिए हितैषी नहीं है। प्रतिदिन अंधाधुंध जल विद्युत परियोजनाओं, फोरलेन सड़कों, खाद्यान्नों, औद्योगिकीकरण और अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियों के लिए संसाधनों का अत्यधिक दोहन होने से पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन जैसे संसाधनों पर निर्भर किसान एवं स्थानीय समुदाय इन बदलावों से प्रभावित हो रहे है। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा जल संग्रह हिमालय पर सौ करोड़ से ज्यादा लोग निर्भर है, हिमखंड तेजी से घट रहे हैं। नदियां और भूजल स्त्रोत सूख रहे है। जंगल खत्म हो गए है। जंगल खत्म हो गए है और बाढ़ एवं भूस्खलन जैसी दुर्घटनाएं आम हो गई है।

स्वयंसेवकों ने आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी जीवन आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया

सादुलपुर (मृदुल पत्रिका)। राजगढ़ तहसील के निकटवर्ती बहल में स्थानीय जीडीसी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पातवान गांव में सात दिवसीय कैंप के चौथे दिन एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम अधिकारी डॉ अशोक कुमार के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत एवं श्रेष्ठ भारत, स्वदेशी जीवन शैली पर आधारित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनके माध्यम से ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने के लिए मुख्य विषय से संबंधित रैली का आयोजन किया गया और उसके

साथ ही अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी विद्यार्थियों ने उपरोक्त विषय से संबंधित अनेकों जानकारियां अर्जित की। इसी विषय से संबंधित विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु विस्तृत व्याख्यान का भी आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता रवि परमार, सहायक प्रोफेसर रहे, जिन्होंने अपने व्याख्यान में स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य बताते हुए बताया कि भारत प्राचीन काल से ही प्राकृतिक रूप से समृद्ध रहा है इसलिए हमें विदेशी समान और एवं विदेशी चीजों पर अपनी निर्भरता कम करके स्वावलंबी भारत का निर्माण करना होगा। पूर्व कार्यक्रम अधिकारी मानसिंह भी भी मौजूद रहे जिन्होंने अनेक उपयोग के माध्यम से विद्यार्थियों को सादा जीवन उच्च विचार से संबंधित अन्य को पहलुओं पर चर्चा की इसके बाद विद्यार्थियों के द्वारा अनेक सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई जिसमें नृत्य भाषण कविताएं संगीत, खेल गतिविधियों का आयोजन भी हुआ। इसके साथ ही संपूर्ण गांव में आदि के अनेक विधाओं का प्रदर्शन किया गया आत्मनिर्भर भारत को लेकर रैली का भी आयोजन किया गया।